



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 235]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 8, 1977 ज्यैष्ठ 18, 1899

No. 235]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 8, 1977/JYAISTHA 18, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel & Administrative Reforms)

ORDER

New Delhi, the 8th June 1977

S O. 388(E)—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946) the Central Government, with the consent of the Government of the State of Uttar Pradesh, hereby extends to the whole of the State of Uttar Pradesh, the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment for the investigation of offences punishable under sections 120B, 220, 342 and 344 of the Indian Penal Code, 1860 (45 of 1860), and attempts abetments and conspiracies in relation to or in connection with the said offences and any other offence committed in the course of the same transaction arising out of the same facts in regard to detention and confinement of Indian Foreign Liquor Dealers of the State of Uttar Pradesh namely Shri B. K. Malikani and seven others at Lucknow, Kanpur and Allahabad during the period March and April, 1976

[No 228/7/77-AVD II]

R. C. MJSRA, Addl. Secy.

गृह मंत्रालय

(कानूनी और प्रशासनिक सचिव विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 8 जून, 1977

का० आ० 388(अ) —दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उत्तर प्रदेश राज्य सरकार की सहमति से एतद्वारा मार्च तथा अप्रैल 1976 की अवधि के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य के भारतीय विदेशी शराब के व्यापारी श्री बी० के० मलकानी और सात अन्य व्यक्तियों के लखनऊ कानपुर तथा इलाहाबाद में निरोध और परिरोध के सम्बन्ध में भारतीय दण्ड संहिता 1860 (1806 का 45) की धारा 120 बी, 220, 342 और 344 के अधीन दण्डनीय अपराधों अथवा उक्त अपराधों के सम्बन्ध में या उनसे सम्बन्धित प्रयत्नों दुष्प्रेरणों और पड़यत्नों और उसी सव्यवहार के दौरान उन्हीं तथ्यों से उद्भूत किसी अन्य अपराध का अन्वेषण करने के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का समस्त उत्तर प्रदेश राज्य में विस्तार करती है।

[स० 228/7/77-एवीडी. II]

रमेश चन्द्र मिश्र, अपर सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिंटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977